हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 23 मई 2025

11 छात्रों को किया नशे के प्रति जागरूक

12 नौ जून तक ऑनलाइन पोर्टल पर छात्र-छात्राएं पंजीकरण करा सकेंगे

खबर संक्षेप

तबीयत बिगड़ने से प्रवासी की मौत

बहादुरगढ़। प्रवासी मूल के एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। किसी बीमारी से मौत होने की आशंका है। असल पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हो पाएगी। परिजनों के बयान के बाद पुलिस मामले में आगामी कार्रवाई करेगी। मृतक की पहचान धर्मेंद्र के रूप में हुई है। यूपी के हरदोई मूल का धर्मेंद्र यहां टीकरी बॉर्डर पर रहता था। एमआईई स्थित एक कंपनी में रहता था। वीरवार की सुबह उसे नागरिक अस्पताल में लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में मौजूद उसके परिचितों की मानें तो कुछ दिन से धर्मेंद्र बीमार चल रहा था। तबीयत अधिक बिगड़ने पर उसे अस्पताल में लाए तो उसे मृत घोषित कर दिया गया।

जिमखाना क्लब में चोरी की वारदात

बहादुरगढ़। सेक्टर-9 में स्थित जिमखाना क्लब में चोरी की वारदात हो गई। शीशे का दरवाजा तोड़कर चोर अंदर घुसे और वारदात को अंजाम दे गए। पुलिस को दी शिकायत में यहां काम करने वाले गुरमीत सिंह ने कहा कि जब सुबह करीब साढ़े 9 बजे वह क्लब में आया तो शीशे का गेट टूटा हुआ था। अंदर सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर दो एलईडी नहीं मिली। इनमें से एक खराब थी। अपने स्तर पर जांच की लेकिन कुछ पता नहीं चला। उधर, सूचना पाकर सेक्टर 9 चौकी से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने गुरमीत की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अवैध हथियार सहित आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने अवैध हथियार सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। एसएचओ पवनवीर ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि देवीलाल पार्क में एक युवक अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। इस सूचना पर टीम वहां गई और आरोपी को काबू किया। आरोपी की पहचान नवीन निवासी आसौदा के रूप में हुई। उसके पास एक देशी पिस्तौल व एक कारतूस बरामद हुआ। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

कुलासी गांव से बाइक ले उड़े चोर

बहादुरगढ़। गांव कुलासी में एक व्यक्ति की बाइक चोरी हो गई। वाहन मालिक ने पुलिस को शिकायत दे दी है। कुलासी के निवासी पवन का कहना है कि दराई वाली कुईं के पास उसने अपनी बाइक खड़ी की थी। फिर कहीं काम चला गया। कुछ समय बाद वापस आया तो बाइक नहीं मिली। अपने स्तर पर तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चला। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया है। पुलिस तलाशने में मदद करे। उधर, सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नूंह में किसानों के दमन की निंदा

बहादुरगढ़। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के प्रदेश सचिव जयकरण मांडौठी तथा अध्यक्ष अनूप सिंह मातनहेल ने नूंह के रोजका मेव में किसानों के धरने पर प्रशासन द्वारा जबरदस्ती करने, दो बुजुर्गों को गिरफ्तार करने और आंदोलन को कुचलने की कड़े शब्दों में निंदा की। किसान नेताओं ने बताया कि 15 साल पहले आईएमटी रोजका मेव में 9 गावों की 1600 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया गया था। लेकिन आज तक भी वायदे अनुसार किसानों को मुआवजा नहीं मिला। प्रभावित किसान एक साल से धरने पर बैठे हैं, लेकिन सरकार और प्रशासन किसानों के मुद्दों को हल नहीं कर रहे। सरकार के इशारे पर पुलिस प्रशासन ने धरने पर किसानों के साथ बल प्रयोग किया। किसान नेताओं के घरों पर दबिश डालकर दो लोगों को गिरफ्तार किया।

दिनभर बिजली निगम के कर्मचारी जुटे रहे बिजली आपूर्ति सुचारू करने में

आंधी का असर ब्रेक डाउन, बिजली आपूर्ति बाधित और जनजीवन रहा अस्त-व्यस्त

आंधी के कारण बनी ब्रेक डाउन की स्थिति से शहरी क्षेत्र में करीब पांच शिकायतें ऑनलाइन व मैनूयअल तौर पर दर्ज की गई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

बुधवार सांय आई आंधी का व्यापक असर देखने को मिला। आंधी के कारण हुए ब्रेक डाउन से बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। शहर और कई ग्रामीण क्षेत्रों में रात भर बिजली आपूर्ति बाधित रही।

वहीं वीरवार को भी दिनभर अघोषित कट लगते रहे। बिजली निगम के कर्मचारी दिन भर बिजली आपूर्ति को सुचारू करने में जुटें रहे। जानकारी के अनुसार आंधी के कारण बनी ब्रेक डाउन की स्थिति के शहरी क्षेत्र में करीब पांच शिकायतें ऑनलाइन व मैनूयअल तौर पर दर्ज की गई। स्टॉफ की कमी के बावजूद बिजली निगम के कर्मचारी दिनभर आमजन को गर्मी से राहत दिलाने का प्रयास करने में लगे रहे।

झज्जर। शहर के सिलानी गेट क्षेत्र में बिजली की केबल बदलते हुए कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

बिजली निगम कार्यालय में बजती रही मोबाइल की घंटियां

भीषण गर्मी के बीच कई घंटों तक बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण घरों में लगे इंवर्टर और बैट्री भी साथ छोड़ गए। जब इंवर्टर और बैट्रियों ने भी जवाब दे दिया तो लोगों ने बिजली निगम कार्यालय में फोन करना शुरू कर दिए। शहरी क्षेत्र में करीब पांच सौ शिकायतें दर्ज हुई। लोग बार बार फोन कर लाईट कब आएगी पूछते रहे। दिनभर ऐसी ही स्थिति बनी रही। जिसके कारण बिजली निगम के कर्मचारियों को भी खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं बिजली निगम के एसडीओ सौरभ ने बताया कि दिनभर कर्मचारी बिजली आपूर्ति को सुचारू करने में जुटे रहे। बिजली आपूर्ति बाधित को लेकर जो भी शिकायतें प्राप्त हुई। उनका समाधान कर दिया गया।

- नूना माजरा स्थित 220 केवी पावर हाउस में आया फॉल्ट, बैंक कॉलोनी व शक्ति नगर समेत कई स्थानों पर खंभे गिरे, झाड़ौदा बॉर्डर पर टॉवर गिरने से ट्रेफिक हुआ प्रभावित

बहादुरगढ़। बैंक कॉलोनी में सड़क पर गिरा पड़ा बिजली का खंभा। फोटो : हरिभूमि

तूफान से कई जगह उखड़े पेड़, खंभे-टॉवर भी गिरे

बहादुरगढ़। बुधवार रात को अचानक आए तूफान के दौरान कई स्थानों पर पेड़ उखड़ गए। बैंक कॉलोनी व शक्ति नगर समेत कई जगह बिजली के खंभे गिर गए। इसके अलावा झाड़ौदा बॉर्डर पर इंटरनेट का एक टॉवर धराशाई हो गया। जिस कारण देर रात तक यातायात बाधित रहा। नूना माजरा स्थित 220 केवी पावर हाउस में भी फॉल्ट आ गया था। जिस कारण रात भर लोग लाइट आई और लाइट गई चिल्लाते रहे। जी हां, बीती रात तेज हवाओं के तूफान में तब्दील होने से क्षेत्र में जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया था। बेशक भीषण गर्मी के बाद मौसम में अचानक आए बदलाव से लोगों में खुशी देखी गई। लेकिन बीती रात आए तूफान में हुए नुकसान ने इस खुशी को भंग कर दिया। कई जगह पेड़ गिर गए। पुराने डाकखाने के निकट एक पेड़ बिजली की तारों पर गिर गया। जिसे हटवा कर निगम कर्मचारियों ने विद्युत आपूर्ति सुचारू करवाई। इसके अलावा अन्य इलाकों में भी कई पेड़ उखड़ गए। झाड़ौदा बॉर्डर पर लगा इंटरनेट का टॉवर गिर जाने से नजफगढ़ रोड पर यातायात लगभग बंद हो गया था। वहीं दूसरी ओर बैंक कॉलोनी व शक्ति नगर समेत कई जगहों पर बिजली के खंभे भी सड़क से उखड़ गए। शहर में विभिन्न प्रतिष्ठानों पर लगे होर्डिंग्स को भी काफी नुकसान पहुंचा। रात भर लोग लाइट के लिए परेशान रहे। ज्यादातर इलाकों में विद्युत आपूर्ति आधी रात के बाद सुचारू हो पाई। जबकि धर्मपुरा समेत कई जगहों पर लोग सुबह तक बिजली के आने का इंतजार करते रहे।

डीटीपी ने 3 कॉलोनियों में की तोड़फोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

डीटीपी इंफोर्समेंट की टीम ने वीरवार को बहादुरगढ़ के गांव इस्सरहेड़ी व सिद्दीपुर में अवैध रूप से विकसित हो रही तीन कॉलोनियों में तोड़फोड़ की। साथ ही लोगों को अवैध कॉलोनी में प्लॉट नहीं खरीदने और किसी तरह का निर्माण नहीं करने की चेतावनी दी।

जिला नगर योजनाकार को कई दिनों से इन दोनों गांवों में अवैध कॉलोनियों में निर्माण की सूचना मिल रही थी। सूचना के आधार पर तोड़फोड़ कार्रवाई के लिए टीम गठित की गई। वीरवार को डीटीपी की टीम द्वारा करीब 10 एकड़ में आबाद हो रही 3 अवैध कॉलोनियों में तोड़फोड़ की गई।

अभियान के दौरान 3 प्रॉपर्टी डीलरों के कार्यालयों पर भी जेसीबी चलाई गई। जेसीबी द्वारा 42 डीपीसी और 500 मीटर सड़क नेटवर्क ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस बल के साथ ड्यूटी मजिस्ट्रेट भी तैनात रहे। जेई अरविंद ने बताया कि यह कार्रवाई नियंत्रित क्षेत्र अधिनियम के तहत की गई है। उनके अनुसार नियंत्रित क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अवैध निर्माण को नहीं पनपने दिया जाएगा। यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

बहादुरगढ़। अवैध ढांचे को ढहाती डीटीपी की जेसीबी। फोटो : हरिभूमि

पाइप लीकेज के कारण गर्म पानी गिरने से चार श्रमिक झुलसे, पीजीआई रेफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

क्षेत्र के गांव झाड़ली स्थित एपीसीपीएल पावर प्लांट में काम के दौरान पाइप लीकेज होने के कारण गर्म पानी की चपेट में आने से चार कर्मचारी बुरी तरह झुलस गए।

जब अन्य कर्मचारियों व अधिकारियों को घटना का पता चलने पर उपचार के लिए प्लांट के भीतर स्थित अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। जहां चारों श्रमिकों की हालत गंभीर बनी हुई है। जब प्लांट में काम चल रहा था लीकेज होने के कारण पाइप से निकला गर्म पानी श्रमिकों के ऊपर आ गिरा जिस कारण वे झुलस गए।

झुलसे हुए कर्मचारियों की पहचान अभिषेक, प्रदीप, कुलदीप व अमित के तौर पर की गई है। उधर, एपीसीपीएल के प्रवक्ता ने बताया कि झाड़ली पावर प्लांट में एक तकनीकी खराबी के कारण बॉयलर फीड पंप की रिसर्कुलेशन वाल्व से गर्म पानी का रिसाव हुआ। जिससे चार संविदा कर्मचारी घायल हुए है।

तकनीकी गड़बड़ी के कारण लीक हुआ है। एपीसीपीएल ने तुरंत और प्रभावी कार्रवाई की। मौके पर आपातकालीन टीम तुरंत पहुंची और सभी घायल कर्मचारियों को पहले एपीसीपीएल हॉस्पिटल में प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद उन्हें पीजीआई रोहतक इलाज के लिए रेफर कर दिया गया।

झज्जर। लीकेज के कारण झुलसा कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

परनाला गांव में 2500 पक्षियों के लिए बनेंगे घर

बहादुरगढ़। गांव परनाला के दादा भैया जोहड़ पर पक्षियों के लिए 2500 घर बनाए जाएंगे। विधायक राजेश जून ने सरपंच एसोसिएशन के प्रधान अशोक राठी व ग्रामवासियों की मौजूदगी में पक्षियों के लिए बनने वाले इस टॉवर के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। विधायक राजेश जून ने इस नेक कार्य के लिए सरपंच मुकेश राठी की सराहना की। प्रधान अशोक राठी ने बताया कि पक्षियों के लिए यह टावर बनने से पक्षियों को इनमें स्थाई रूप से रहने के लिए स्थान उपलब्ध होगा। इसमें रहने वाले पक्षियों का भीषण गर्मी, बरसात व सर्दी से बचाव रहेगा। विधायक राजेश जून ने कहा कि पक्षी अपनी दुख तकलीफ बता नहीं पाते हैं, उनके लिए यह व्यवस्था बेहद स्वागत योग्य कदम है। इसके लिए ग्राम पंचायत व समस्त ग्रामवासी बधाई के पात्र हैं। मौके पर राठी खाप के प्रधान रणबीर राठी, पंडित राधेश्याम, तेजपाल, कुलबीर, जोगी, सुरजे, सोनू, भगवाना, राहुल, प्रीतम, सचिन व ओमप्रकाश फौजी आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। पक्षियों के बसेरे के निर्माण कार्य की नींव रखते राजेश जून व अशोक राठी। फोटो : हरिभूमि

ट्रेडिंग में निवेश के नाम पर दो लाख 21 हजार रुपये की ठगी

बहादुरगढ़। ट्रेडिंग के लिए इन्वेस्टमेंट कराने के नाम पर एक युवक के साथ ठगी की वारदात हो गई। शातिरों ने मुनाफे का प्रलोभन देकर उसे दो लाख 21 हजार रुपये की चपत लगा दी। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात पुनीत के साथ हुई है। पुनीत का कहना है कि छह मई को मेरे पास व्हाट्सएप पर पार्ट टाइम जॉब संबंधित एक मैसेज आया। मैसेज के जरिये बातचीत बढ़ी तो मुझे टेलीग्राम आईडी का लिंक दिया गया। मुझे उसमें शामिल करके एक हजार रुपये इन्वेस्ट कराए गए। फिर सात मई को पांच हजार रुपये जमा करवाए। इसके बाद टास्क पूरे करने और कंपनी का रेगुलर कर्मचारी बनने के नाम पर आठ मई को 15 हजार रुपये की डिमांड की गई। इस तरह से वे डिमांड करते रहे और एप्प में प्रोफिट दिखाते रहे। ट्रेडिंग एप में रुपये इन्वेस्ट कराए जा रहे थे। इस तरह से वे प्रोफिट दिखाकर रुपये मंगाते रहे और मेरी तरफ से दो लाख 21 हजार रुपये चले गए। जब प्रोफिट सहित रुपए निकालने की कोशिश की तो सफलता नहीं मिली। उन्होंने रकम निकालने के नाम पर साढ़े चार लाख रुपये की डिमांड की। इससे मैं उनके मंसूबों को समझ गया लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। फिर साइबर सैल में शिकायत दी। वहीं, पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर लिया है। जांच की जा रही है। आम नागरिक जागरूक रहें। किसी के झांसे में आकर अपनी पूंजी ना गंवाएं।

परनाला एक्सटेंशन पार्ट वन में विकास कार्यों का शुभारंभ

- गलियां, नालियां तथा जल निकासी के लिए बनाया जाएगा नाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

विधायक राजेश जून ने वीरवार को लाइनपार में परनाला एक्सटेंशन पार्ट वन में विकास कार्यों का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यहां नगर परिषद द्वारा गलियां, नालियां तथा जल निकासी के लिए नाला बनाया जाएगा। स्थानीय निवासियों ने उनका स्वागत करते हुए आभार जताया।

विधायक राजेश जून ने कहा कि इन विकास कार्यों के पूरा होने के बाद लोगों को जहां आवागमन में सुविधा होगी, वहीं जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी। उन्होंने नगर परिषद के अधिकारियों से कहा कि वे समय-समय पर मौके पर कार्य की जांच करते रहें।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर नप के ईओ संजय रोहिल्ला, वाइस चेयरमैन पालेराम शर्मा, पूर्व पार्षद युवराज छिल्लर, सरपंच एसोसिएशन के प्रधान अशोक राठी, राठी खाप के प्रधान रणबीर राठी, तेजपाल, सुरजे, राहुल, प्रीतम, जगबीर, कृष्ण, सुमित, नरेश दलाल, कप्तान राठी, औमप्रकाश फौजी, एमई राजेश कौशिक, जेई नीरज कुमार, जेई आशीष यादव व जेई आकाश आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। विकास कार्यों के शिलापट का अनावरण करते विधायक राजेश जून।

बहादुरगढ़। उज्बेकिस्तान पहुंचा भारतीय कोच और खिलाड़ियों का दल। फोटो : हरिभूमि

एशियन चैंपियनशिप में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करेंगे भारत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

इलाके के गांव बालोर के निवासी भारत यादव 23 से 25 मई तक उज्बेकिस्तान में होने जा रही 21वीं एशियन सीनियर कराटे चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। वह इंडिया टीम के कोच की भूमिका निभाएंगे। भारत पहले भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

भारत ने बताया कि 31 सदस्यीय भारतीय दल कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के महासचिव संजीव जांगड़ा की अगुवाई में एशियन चैंपियनशिप के लिए उज्बेकिस्तान के ताशकंद शहर में पहुंच चुका है। युवा एव खेल मंत्रालय, भारत सरकार की राज्य मंत्री रक्षता निखिल खड़से ने इंडिया टीम का हौसला बढ़ाते हुए शुभकामना पत्र भेजा है। जिससे सभी खिलाड़ियों में जोश की लहर दौड़ गई है। इस प्रतियोगिता में हमारे खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश के लिए अधिक से अधिक पदक जीतने की कोशिश करेंगे।

माता गेट क्षेत्र में कई लोगों को काटा

शहर में बंदरों के उत्पात से लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

शहर में दिन प्रतिदन बढ़ रहे बंदरों के उत्पात से लोग काफी परेशान है। बंदर जहां घरों में घुस कर सामान उठा कर ले जा रहे है, वहीं गलियों व घरों की छतों पर महिलाओं व बच्चों को काट रहे है। हालांकि यह स्थिति पूरे शहर की है, लेकिन माता गेट क्षेत्र में पिछले तीन चार दिनों में ही बंदर कई महिलाओं और बच्चों को अपना शिकार बना चुके है। जिसके कारण इस क्षेत्र में लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

पूर्व पार्षद प्रतिनिधि नीटी गहलोत का कहना है कि अब तो बच्चे और महिलाएं घरों की छतों पर भी जाने से डरने लगे है। यहां तक कि गलियों में भी बंदरों की टोलियां घूम रही है। महिलाओं, बुजुर्गो व बच्चों का घर से निकलना ही मुश्किल हो गया है। कई बार शिकायत करने के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। जिसके कारण परेशानी हो रही है।

झज्जर। शहरी क्षेत्र में बैठी बंदरों की टोली। फोटो : हरिभूमि

जल्द लगाया जाएगा टेंडर

नगर परिषद के चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने कहा कि बंदर पकड़ने की टेंडर प्रक्रिया जारी है। जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी और आमजन को बंदरों की समस्या से निजात दिलाई जाएगी। उनका प्रयास यहीं है कि शहर का विकास हो और आमजन को किसी तरह की परेशानी ना हो।

एडवाइस / डॉ. मोनिका शर्मा

समर वेकेशंस को ऐसे बनाओ एंज्वॉयफुल

समर वेकेशन, मतलब स्कूल जाने या होम वर्क करने या फिर ट्यूशन जाने की कोई टेंशन नहीं, ढेर सारी मस्ती के दिन। लेकिन इसका यह भी मतलब नहीं, समर वेकेशंस यानी गर्मी की पूरी छुट्टियां इस तरह बिता दी जाएं कि जिसकी कोई उपयोगिता ही ना हो, बस समय की बर्बादी हो। तो बच्चो, समर वेकेशंस में खेल-कूद, मौज-मस्ती के साथ-साथ कुछ ऐसा भी करो कि समय का सही उपयोग हो, तुममें कोई एक्स्ट्रा स्किल डेवलप हो।

बच्चो, गर्मी की छुट्टियों में तुम्हें जबरदस्त धमा-चौकड़ी, घूमने और दादी-नानी के घर जाने का मौका मिलता है। फ्री रुटीन वाले इस टाइम में तुम कुछ अच्छा कर सकते हो, लेकिन इस समय थोड़ा अवेयर रहना भी जरूरी है। अब देखो, मम्मी-पापा तो हर मौसम में तुम्हारी केयर करते हैं। तपती धूप के इस मौसम में तुम्हारी थोड़ी-सी अवेयरनेस उनकी चिंता कम कर सकती है। खासकर अपनी हेल्थ को संभालने के लिए छोटी-छोटी बातों का तो तुम खुद भी खयाल रख ही सकते हो। थोड़ा केयरफुल रहने से तुम्हारा समर टाइम सचमुच फन टाइम बन जाएगा। इन हैप्पी हॉलिडेज में तुम कुछ अलग, कुछ नया ट्राई कर सकते हो।

खेल-कूद का बनाओ सही रूटीन: गर्मी के मौसम में हीट वेव्स बहुत से हेल्थ इश्यूज का कारण बनती हैं। हीट वेव्स के कारण डिहाइड्रेशन, थकावट और हीट स्ट्रोक जैसी सीरियस स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसीलिए समर वेकेशन के फ्री टाइम में भी खेलने-कूदने का सही शेड्यूल, सही रुटीन बनाना जरूरी है। इस मौसम में आउटडोर गेम्स के लिए सुबह या शाम का समय सबसे सही होता है, क्योंकि इस समय धूप कम रहती है। दिन के समय तुम दोस्तों को अपने घर बुलाकर या किसी दोस्त के घर जाकर अपनी पसंद के इनडोर गेम्स खेल सकते हो।

गैजेट्स फ्री हो समर टाइम: बच्चो, हमारे देश में कई ट्रेडिशनल और मजेदार इनडोर, आउटडोर गेम्स खेले जाते हैं। यकीन मानो, इन गेम्स को खेलकर तुम्हें खूब मजा आएगा। ये गेम्स मोबाइल या कंप्यूटर पर खेले जाने वाले वीडियो गेम्स से कहीं अधिक एंज्वॉयफुल हैं। हमारे पारंपरिक खेलों में कई सारे इनडोर और आउटडोर गेम्स शामिल हैं। कबड्डी, लुका-छिपी, खो-खो, सतोलिया, स्टापू (हॉपस्कॉच), रस्सी कूद, रुमाल झपट, लट्टू और गिल्ली डंडा जैसे कई खेल खूब मजेदार हैं। ये गेम्स स्क्रीन गेम्स की तरह आंखों को नुकसान पहुंचाने या पोस्चर बिगाड़ने वाले नहीं हैं। हमारे ट्रेडिशनल गेम्स तुमको फिजिकली-मेंटली एक्टिव और हेल्दी बनाएंगे, टीमवर्क सिखाएंगे। तो इस बार समर वेकेशंस में अपने दादा-दादी, नाना-नानी और मम्मी-पापा से इन गेम्स के बारे में पूछो। ऐसे खेल उन्होंने अपने बचपन में जरूर खेले होंगे। इन ट्रेडिशनल गेम्स को जानो-समझो और खेलो।

सीखो ऐसी चीजें जो बढ़ाए तुम्हारी प्रतिभा

बच्चो, समर वेकेशंस में तुम अपनी रुचि के अनुसार ऐसे कोर्स कर सकते हो जो तुम्हारी प्रतिभा को निखारें और स्किल को बढ़ाएं। तुम म्यूजिक, सिंगिंग, पेंटिंग या डांसिंग की वर्कशॉप अटेंड कर सकते हो, जो तुम्हारी प्रतिभा को बढ़ाएगी। कोई शॉर्ट टर्म कोर्स भी कर सकते हो, जो तुम्हारे स्किल को बढ़ाए जैसे कोडिंग या इसी तरह का दूसरा कोई कोर्स।

ट्राई करो ट्रेडिशनल फूड्स: गर्मी के मौसम में खाने-पीने में भी बदलाव जरूरी है। हमारे देश के हर हिस्से में अलग तरह का खान-पान होता है, वह भी मौसम के हिसाब से। साइंटिफिक रिसर्च भी मौसम के अनुसार बनाए गए हमारे ट्रेडिशनल फूड्स को सही बताते हैं। समर टाइम में डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक, लू लगने, डाइजेशन बिगड़ने जैसी परेशानियां बहुत होती हैं। इससे बचने के लिए थोड़ी सावधानी जरूरी है। समर सीजन में बाहर खाना-पीना अवॉयड करना चाहिए। इन दिनों घर का ट्रेडिशनल खाना शरीर को ठंडक देने का काम करता है। सत्तू, सीजनल फ्रूट्स, छाछ, शिकंजी, शर्बत, नारियल पानी और गन्ने का जूस जैसी चीजें टेस्टी ही नहीं हेल्दी भी हैं। टमाटर, लौकी, ककड़ी, संतरे, तरबूज और खरबूजे जैसे मौसमी फल-सब्जियां खाकर भी तरोताजा महसूस होता है। दादी-नानी के घर जाने पर वहां बनने वाले खास तरह के फूड आइटम्स को जरूर ट्राई करो। इसीलिए समर टाइम में ठंडक का एहसास करवाने वाली परंपरागत चीजों को मन से खाओ।

हाइजीन और हेल्थ का रखो ध्यान: बच्चो, बाहर खेलने के बाद घर लौटने पर भी कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। बाहर से घर आने पर तुम्हें तुरंत एसी, फैन या कूलर चलाने या गटागट ठंडा पानी पीने से बचना चाहिए। खेलने-कूदने के बाद हाइजीन यानी स्वच्छता पर ध्यान जरूर देना। खेलते हुए धूल-मिट्टी भी शरीर से चिपक जाते हैं। इनसे इंफेक्शन हो सकता है। इसीलिए अच्छे से नहाकर अपनी बॉडी की साफ-सफाई का ख्याल रखना चाहिए। हां, बाहर से आकर तुरंत नहाने के बजाय पहले कुछ देर आराम से बैठकर पसीना सुखाना, फिर नहाना। ऐसा न करने से तुम्हें जुकाम या बुखार हो सकता है।

बच्चो, इस तरह समझदारी भरा रूटीन फॉलो करके, कुछ बातों का ध्यान रखकर तुम अपनी समर वेकेशंस को और भी एंज्वॉयफुल बना सकते हो। *

अनोखा पक्षी पेलिकन

बच्चो, पक्षियों का अपना एक अलग-अनोखा संसार है। कई पक्षियों में कुछ ऐसी विशेषताएं पाई जाती हैं, जो तुम्हें आश्चर्य में डाल देंगी। आज हम तुम्हें एक ऐसे ही अनोखे पक्षी 'पेलिकन' के बारे में बता रहे हैं।

पक्षी जगत
शिखर चंद जैन

बच्चो, दुनिया के कुछ सबसे बड़े पक्षियों में शामिल पेलिकन एक अनूठा पक्षी है। यह एक जलीय पक्षी है। पेलिकन अंटार्कटिका जैसे दुर्गम क्षेत्र को छोड़कर प्रायः पूरी दुनिया में ताजे पानी या नमकीन पानी की झीलों या अन्य जलीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

पाउच वाली अनूठी चोंच: पेलिकन की चोंच में लंबा-चौड़ा थैलीनुमा एक पाउच होता है। यह बेहद लचीला होता है, जिसे जरूरत पड़ने पर यह सिकोड़ या फैला सकता है। तुम्हें जानकर आश्चर्य होगा कि यह अपनी चोंच में ग्यारह लीटर तक पानी या फिर दस किलो तक भोजन सामग्री मजे से रख सकता है। इतनी सामग्री तो इसके पेट में भी नहीं समाती।

ऐसे करता है मछलियों का शिकार: पेलिकन, मछलियों का शिकार करते वक्त उन्हें पानी सहित अपनी चोंच में दबोच लेता है, फिर मुंह नीचे की तरफ झुकाकर पानी छानकर गिरा देता है और मछलियों को निगल लेता है। चोंच के सिरे पर मौजूद हुक जैसी संरचना में यह कई बार मछलियों को अटका लेता है और फिर सिर ऊंचा करके गले में गटक लेता है। पेलिकन एक दिन में लगभग एक किलो तक मछली खा सकता है।

तैरने और उड़ने में माहिर: पेलिकन के पंजों में जाल बना होता है, जिससे इसे तैरने में आसानी होती है। इसकी हड्डियों के भीतर और डैनों के नीचे हवा के बुलबुले भरे होते हैं, जिससे यह पानी की सतह के ऊपर आसानी से बैठ या तैर सकता है। उड़ने से पहले इसे गति लेनी पड़ती है। जैसे विमान रनवे पर दौड़कर धीरे-धीरे जमीन से हवा में उठता है, ठीक उसी तरह यह भी पानी की सतह पर अपने विशाल डैनों को पीटते हुए दोनों पैरों से पानी को पतवार की तरह काटता है और फिर धीरे-धीरे हवा में ऊपर उठता है। यह दस हजार फीट की ऊंचाई तक उड़ सकता है। *

पेलिकन की प्रजातियां

पेलिकन की कुल आठ प्रजातियां पाई जाती हैं। आमतौर पर पेलिकन के पंख सफेद होते हैं, जिन पर काले धब्बे होते हैं। कुछ प्रजातियों के पंख गुलाबीपन लिए हुए होते हैं। डालमेटियन प्रजाति के पेलिकन आकार में सबसे बड़े होते हैं। डैने फैलाने पर डालमेटियन पेलिकन का आकार साढ़े तीन मीटर तक हो जाता है। इसका वजन लगभग तेरह किलो तक हो सकता है। सबसे छोटे आकार के पेलिकन ब्राउन पेलिकन होते हैं। इसके डैने लगभग दो मीटर तक फैलते हैं और वजन लगभग तीन किलो तक होता है। इनके पंख चॉकलेटी ब्राउन होते हैं। भारत में मूल रूप से सफेद या रोजी व और डालमेटियन पेलिकन पाए जाते हैं।

कविता / वसीम अहमद

चूहा-चुहिया गरमी में

बोली आइसक्रीम दिला दो
चाय पियूं न गरमी में,
बड़े शहर से आई चुहिया
बैठी है रुठगर्मी में।
चूहा बोला गरमी है तो
ठंडी करके पी जाओ,
मुझ पर हुक्म चलाना छोड़ो
पगी हो क्या बेशर्मी में।
चुहिया बोली कैसे पी लूं
सर्दी की सौगात है ये,
गले से मेरे न उतरेगी
चाय-वाय इस गरमी में।
रात हो गई अब जिद छोड़ो
आइसक्रीम कल ला दूंगा,
मान भी जाओ अच्छा होगा
अभी कह रहा नरमी में।
चुहिया बोली धमकाओ मत
मुझे भी आता है लड़ना,
ठंडा रखो माथा अपना
लड़ो न इतनी गरमी में।

बूझो तो जानें

1
गढ़े इन्हें हाथों से कुम्हार,
मिट्टी को देता आकार।
बॉल सरीखा गोलम-गोल,
पी लो पानी ढक्कन खोल।

2
खड़ा किचन में है यह कौन,
भीतर ठंडक बाहर मौन।
फल-सब्जियां ताजा रखे,
मुख के भीतर बर्फ के चक्के।

3
कमरे में ठंडा अहसास,
गर्मी फटकेगी ना पास।
फर-फर ना घुर-घुर आवाज,
पंखे जी बैठे नाराज।

-रोचिका अरुण शर्मा

उत्तर : 1.मटका, 2.फ्रिज, 3.एयर कंडिशनर

जीके क्विज-155

1. हाल ही में कनाडा की विदेश मंत्री बनने वाली भारतीय मूल की महिला का क्या नाम है?
2. हाल ही में वर्ष 2025 के लिए किस भारतीय लेखिका को लिटरेचर का इंटरनेशनल बुकर प्राइज देने की घोषणा की गई?
3. दुनिया की पहली परमाणु पनडुब्बी का नाम क्या था?
4. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के वर्तमान गवर्नर कौन हैं?
5. यक्षगान भारत के किस राज्य का प्रमुख लोकनृत्य है?
6. विश्वप्रसिद्ध पीसा की मीनार किस देश में स्थित है?
7. चंदबरदाई किस शासक के दरबारी कवि थे?
8. कौन-सा जीवाणु दूध से दही जमाने में सहायक होता है?
9. आम का वैज्ञानिक नाम (साइंटिफिक नेम) क्या है?
10. विश्व पर्यावरण दिवस कब मनाया जाता है?

बच्चो, जीके क्विज-155 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-154 का उत्तर : 1.विराट कोहली, 2.हैदराबाद, 3.वी. नारायणन, 4.रेडक्लिफ, 5.कैनबरा, 6.राष्ट्रपति, 7.कैस्पियन सागर झील, 8.चंद्रगुप्त मौर्य, 9.थाइलैंड, 10.अमेरिका और कनाडा

जीके क्विज-154 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, रितेश-बलौदा बाजार, नीटू-सीतापुर, रमेश-कोरबा, रक्षिता-रायपुर, अमन-बिलासपुर, कुणाल-महासमुंद, हर्ष-रोहतक, कविश-दुर्ग, राकेश-रायगढ़, पिंकी-भोपाल

कहानी
डॉ. अमिता दुबे

दादी मां की अचानक तबियत खराब हुई तो क्षितिज को गर्मी की छुट्टियों में गांव आना पड़ा। मन ही मन वह गांव आने पर नाखुश था, लेकिन कुछ दिन में उसने वहां जो देखा और महसूस किया, क्षितिज का मन वापस शहर जाने का नहीं हो रहा था...

अनोखी छुट्टियां

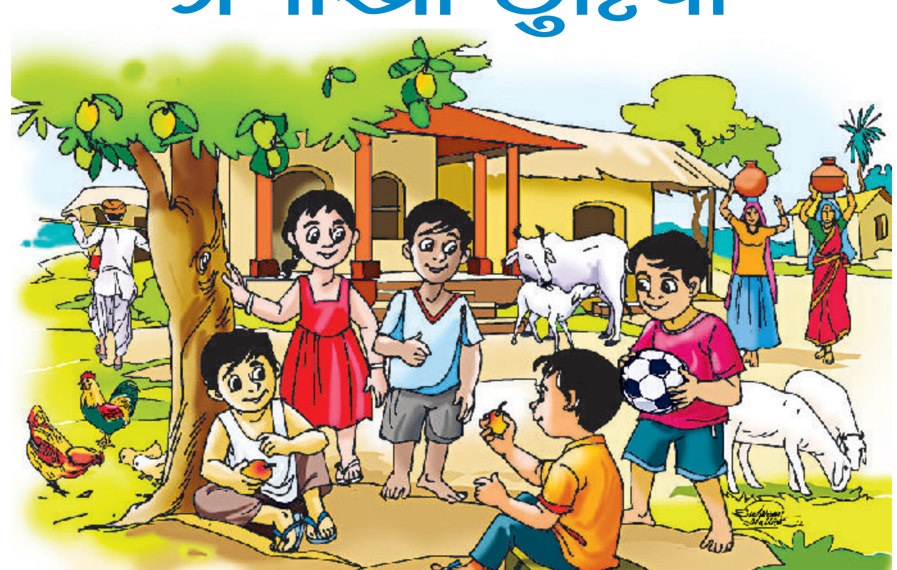

गर्मी की छुट्टियां हो गई थीं। क्षितिज को न पढ़ाई की चिंता थी न ही स्कूल जाने का झंझट। इन दिनों कंप्यूटर गेम, टीवी पर कार्टून फिल्में देखना और शाम को दोस्तों के साथ पार्क में खेलना, इस दिनचर्या में उसे खूब मजा आ रहा था। एक दिन क्षितिज शाम को खेलकर लौटा तो देखा मम्मी उदास बैठी थीं। उन्होंने बताया गांव से रामदीन काका का फोन आया था। दादी अम्मा बीमार हैं। तुरंत गांव बुलाया है। मम्मी ने पापा को फोन कर बता दिया है, वे जल्दी ही आने वाले हैं। तय हो चुका है, रात की ट्रेन से गांव के लिए निकल जाएंगे। मम्मी ने क्षितिज से भी अपना सामान लगाने को कहा। एक बार क्षितिज के मन में आया कि वह मम्मी से कह दे, उसे बोर होने गांव नहीं जाना है, घर पर अकेले रह लेगा, लेकिन मम्मी का मूड देखकर उसकी कुछ कहने की हिम्मत नहीं हुई।

क्षितिज जब ट्रेन में बैठा तो रह-रहकर उसका ध्यान अपने दोस्तों की ओर चला जा रहा था। वे तो गर्मी की छुट्टियों का मजा लेंगे और वह गांव में बोर होगा। क्षितिज को मन ही मन दादी अम्मा पर गुस्सा आया- इतनी बार पापा ने कहा पर अम्मा शहर आने को तैयार ही नहीं होतीं। न जाने गांव में क्या रखा है? अगर अम्मा यहां होतीं तो उसकी इस तरह छुट्टियां बर्बाद नहीं होतीं। और न जाने क्या-क्या सोचते उसकी आंख लग गई, जब आंख खुली तो पाया ट्रेन रुकी हुई थी, मम्मी उसे जगा रही थीं। रामदीन काका, हां शायद रामदीन काका ही उन तीनों को लेने स्टेशन आए थे। वैसे तो उसने पहले कभी रामदीन काका को देखा नहीं था। हर वर्ष छुट्टियों में जब मम्मी-पापा गांव जाते हैं, वह नानी के पास ही मथुरा में रुक जाता है। चूंकि पापा का ट्रांसफर आगरा हो गया था, इसलिए तुरंत वह नानी के पास नहीं जा सका।

पापा ने रामदीन काका के पैर छुए तो मम्मी के कहने पर उसको भी पैर छूने पड़े। काका सबको लेकर स्टेशन से बाहर आए। वहां एक टैंपो खड़ा था। ऐसा विचित्र सा टैंपो क्षितिज ने पहले नहीं देखा था। वे चारों उसमें बैठ गए। कुछ देर बाद टैंपो गांव पहुंच गया। टैंपो से उतर कर कुछ दूर पैदल चलकर क्षितिज जिस घर में पहुंचा, उसे देखकर क्षितिज आश्चर्यचकित रह गया। इस घर में उसकी अम्मा रहती हैं, इतने बड़े घर में! सभी सीधे अम्मा के पास पहुंचे, जहां वह लेटी थीं। क्षितिज को लगा, अम्मा रो रही हैं। पापा उनके सिरहाने जाकर बैठकर उनका सिर सहलाने लगे। मम्मी उनके पैर दबाने लगीं। तब तक न जाने कहां से कई औरतें आ गईं, जिन्हें मम्मी-पापा, चाची, भाभी, बुआ संबोधित कह रहे थे। वह भौंचक्का-सा कभी अम्मा को, कभी मम्मी-पापा को और कभी आने वालों को देख रहा था। तभी उम्र में उससे काफी बड़ी दीदी जैसी दिखने वाली एक लड़की ने उसे अपने पास बुलाया। उसका नाम पूछा और लस्सी का गिलास उसे पकड़ा दिया। फिर दो लड्डू क्षितिज को देते हुए बोलीं, 'खाओ बबुआ।' क्षितिज ने मम्मी की ओर देखा। मम्मी बोलीं, 'खा लो ये तुम्हारी रमा बुआ हैं।'

क्षितिज गिलास और लड्डू लेकर बाहर आ गया। एक लड़का मुस्कुराता हुआ उसके पास आया और बोला, 'अच्छा किया क्षितिज, तुम आ गए। पिछली बार चाची से हमने कहा था, अबकी बार आएं तो तुम्हें भी साथ लेती आएं। जब तुम छोटे थे, तब एक बार तुम यहां आए थे।' क्षितिज को कुछ याद नहीं था, लेकिन आभास के साथ बात कर उसे अच्छा लगा।

क्षितिज ने धीमी आवाज में पूछा, 'क्यों आभास भइया! ये सभी लोग हमारे घर में ही रहते हैं?' आभास ने बताया, 'अरे नहीं, ये लोग पड़ोस के घरों में रहते हैं, तुम लोगों को आया हुआ देखकर आ गए।' क्षितिज को अपने शहर की कॉलोनी याद आई, जहां किसी के आने-जाने से किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता। न कोई किसी से इतने प्यार से बोलता है। वहां कोई कभी-कभार ही घर पर आता है। दादी के घर जैसा माहौल उसने कभी नहीं देखा। थोड़ी देर बाद बहुत सारे आदमी आंगन में आ गए। आभास ने ही बताया, 'ये पापा के दोस्त हैं।'

'पापा के इतने सारे दोस्त!' क्षितिज को आश्चर्य हुआ। जहां तक उसे पता है, वहां शहर में उसके घर में पापा का कोई दोस्त कभी नहीं आता।

आभास ने बताया, 'ये सभी लोग हर वर्ष तुम्हारे पापा के आने पर आते हैं। इनमें से कुछ लोग तुम्हारे पापा के साथ पढ़े हैं। सभी इंतजार करते हैं, तुम्हारे पापा के आने का। ये लोग अक्सर तुम्हारी दादी अम्मा से मिलने आते हैं। अगर दादी को किसी चीज की जरूरत होती है तो पूरी करते हैं।'

आभास ने अगले दो दिनों में अपने सभी दोस्तों से क्षितिज का परिचय करवा दिया था। उनसे मिलकर क्षितिज को बिल्कुल भी नहीं लगा कि वह पहली बार उनसे मिला है। उनकी बातों से उसे लगा कि वे सभी उसे बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। नहीं जानता है तो वह ही इस वातावरण की सुंदरता और यहां रहने वाले लोगों की आपसी प्रेम-भावना को। क्षितिज रोज गांव में बच्चों के साथ खेलता। पेड़ों की छांव में बैठकर बातें करता। बच्चे पके मीठे आम तोड़कर खाते और गांव की ठंडी, शुद्ध हवा का आनंद लेते।

समय पंख लगाकर उड़ गया। अम्मा तो उन सबके आने के एक सप्ताह बाद ही ठीक हो गई थीं। पापा वापस चले गए थे। क्षितिज और मम्मी गांव में ही रुक गए थे। अब उन्हें भी जाना था। पापा लेने आने वाले थे। क्षितिज का मन यहां से जाने का नहीं हो रहा था। जाने वाले दिन की पूर्व संध्या पर वह आभास के साथ सभी दोस्तों से मिलने तालाब किनारे गया था, जहां सभी इकट्ठा थे। सब लड़के उसके लिए कोई न कोई उपहार लाए थे। सभी उससे वायदा लेना चाहते थे कि हर वर्ष वह गर्मी की छुट्टियां बिताने यहां आया करेगा।

क्षितिज ने अचानक भावुक होकर बोला, 'मित्रो! ये अनोखी छुट्टियां मुझे जीवन भर याद रहेंगी। आप सबने मुझ अनजान को जो प्यार, आदर दिया, वह मैं कभी भूल नहीं सकता। मैं वायदा करता हूं कि छुट्टियों में तो आऊंगा ही! हर बड़ा त्योहार भी यहां आप सबके बीच मनाने आऊंगा। अम्मा के बिना हम सब वहां उदास रहते हैं और हमारे बिना अम्मा यहां। अब त्योहार पर कोई उदास नहीं होगा। न अम्मा न हम।', 'और न हम सब...!' बच्चों का समवेत स्वर गूंजा। *

अंतर बताओ

बच्चो, यहां झूला झूलती एक लड़की के दो चित्र दिए गए हैं। इन चित्रों में छह अंतर हैं। तुम फटाफट ये छह अंतर ढूंढकर बताओ।

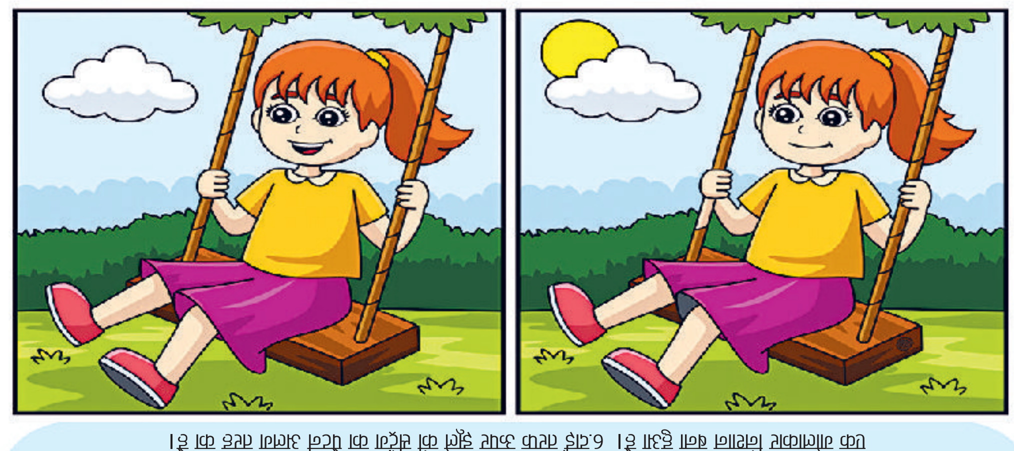

उत्तर : 1.बाईं तरफ बादल के पीछे से सूर्य निकलता दिख रहा है। 2.बाईं तरफ लड़की के हाथ के नीचे झूले का स्टिंग अलग रंग का है। 3.लड़की हंस नहीं रही है, उसका मुंह बंद है। 4.लड़की के स्कर्ट का निचला बायां हिस्सा डिफरेंट कलर का है। 5.झूले की सीट में दाईं तरफ एक गोलाकार निशान बना हुआ है। 6.दाईं तरफ ऊपर झूले की स्ट्रिंग का पैटर्न अलग तरह का है।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

दस रोचक कहानियां

बच्चो, कुछ समय पहले ही दस रोचक कहानियों की किताब 'बांसुरी बजाने वाला खरगोश' छपकर आई है। इसे लिखा है प्रख्यात लेखिका क्षमा शर्मा ने। इनमें से कुछ कहानियों में उड़ने वाली जादुई कार, उड़ने वाली किताब और उड़ने वाले मोबाइल के ऐसे कारनामे हैं कि इन्हें पढ़ते हुए तुम्हारा मन रोमांच से भर उठेगा। कुछ कहानियां ऐसी हैं, जिन्हें पढ़कर तुमको खूब हंसी आएगी। ऐसी ही एक कहानी है 'जंगल की रानी', जिसमें एक बकरी कुछ ऐसा कारनामा करती है कि जंगल का राजा शेर उसे जंगल की रानी बनाने की सोचने लगता है। इसी तरह ताकतवर शिब्बू पहलवान, कैसे बच्चों की मदद करता है, इसे तुम 'बच्चों का दोस्त' कहानी में पढ़ सकते हो। 'पेड़ पर झंडियां' एक बहादुर बच्चे नंदू की कहानी है, जो रेलगाड़ी का एक्सीडेंट होने से बचा लेता है तो 'इंजन चले साथ-साथ' में तुम पढ़ोगे कि रजनी, सोमेश और उनके दोस्त किस तरह एक पुराने रेलवे इंजन को साफ-सुथरा कर ऐसे सजा देते हैं कि सब चकित रह जाते हैं। एक बच्चे और तितली की मस्ती करने की कहानी 'तितली की खुशी' पढ़कर भी तुमको खूब मजा आएगा। बांसुरी बजाने वाले मुटकू खरगोश की कहानी भी तुम्हें बहुत पसंद आएगी। *

किताब: बांसुरी बजाने वाला खरगोश, लेखिका: क्षमा शर्मा, मूल्य: 125 रुपए, प्रकाशक: साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

खबर संक्षेप

एचकेआरएनएल कर्मचारियों का अनुबंध बढ़ाने की मांग

झज्जर। हरियाणा सरकार द्वारा जनस्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हरियाणा कौशल रोजगार निगम के 14256 कर्मचारियों का अनुबंध 31 मार्च को समाप्त हो चुका है। ऐसे में अभी तक सरकार की ओर से इनका नवीनीकरण नहीं किया गया है। इससे विभाग में कार्यरत कर्मचारी असमंजस, असुरक्षा और मानसिक तनाव की स्थिति में हैं। यह न केवल कर्मचारियों के साथ अन्याय है, बल्कि जनस्वास्थ्य विभाग की निरंतर सेवाओं को भी बाधित करने वाला एक गैर-जिम्मेदाराना कदम है। हरियाणा पब्लिक हेल्थ क्लेरिकल एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष कपिल शर्मा रावलधी ने बताया कि एचकेआरएनएल के माध्यम से नियुक्त किए गए ये कर्मचारी वर्षों से जल आपूर्ति, सीवरेज, फील्ड स्तर के रखरखाव, कार्यालयीन कार्य और अन्य आवश्यक सेवाओं में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इनकी कार्यकुशलता और प्रतिबद्धता से विभागीय कार्य सुचारू रूप से चलता रहा है। खासकर कोविड-19 जैसे संकट काल में इन कर्मचारियों ने बिना किसी सुरक्षा या स्थायित्व की चिंता किए अपनी जान की बाजी लगाकर जनता की सेवा की है। बहुत से कर्मचारी पहले से ही न्यूनतम वेतन पर काम कर रहे हैं, और अब यह अस्थायित्व उनकी आर्थिक व पारिवारिक स्थिति को पूरी तरह हिला देने वाला बन गया है। उन्होंने कहा कि अगर कर्मचारियों को समय पर अनुबंध विस्तार नहीं मिलेगा, तो वे भविष्य की चिंता में मानसिक रूप से परेशान रहेंगे और इसका असर उनकी कार्यक्षमता पर पड़ेगा।

एक पेड़ मां के नाम केंद्र सरकार की अनोखी पहल

झज्जर। एक पेड़ मां के नाम योजना केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना है। जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ साथ महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के साथ ही मां के प्रति प्यार को समर्पण है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षक अभियंता अमित श्योकन्द ने बताया कि योजना के तहत विभाग तकनीकी विंग, जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन, पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट व राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के नोडल ऑफिसर व स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को शामिल किया गया है। बहादुरगढ़ शहर के मुख्य जल घर, स्थानीय गुरुग्राम रोड़ स्थित मुख्य जलघर, कस्बा बेरी में गोच्छी रोड़ स्थित जलघर को चिन्हित किया गया है।

संस्कारम इंटरनेशनल स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

राष्ट्र को समर्पित चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

संस्कारम इंटरनेशनल स्कूल में वीरवार को एक विशेष चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में तीसरी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। राष्ट्र को समर्पित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना को प्रबल करना और आतंकवाद के खिलाफ जन-जागरूकता को बढ़ावा देना रहा। प्रतियोगिता के अंतर्गत विद्यार्थियों ने राष्ट्रहित से जुड़े विविध विषयों पर अपने विचार रंगों के माध्यम से प्रस्तुत किए। इन चित्रों में भारतीय सेना की वीरता, राष्ट्रीय एकता, शांति और आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष को प्रभावशाली रूप में दर्शाया गया। हर चित्र अपनी एक अनूठी कहानी कहता नजर आया। विद्यालय के प्राचार्य पृथ्वीराज ने बेहतरीन चित्र बनाने वाले विद्यार्थियों की सराहना की। संस्था के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को समाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों के प्रति सजग बनाती हैं और उनके भीतर एक सशक्त नागरिक के गुणों को विकसित करती हैं। प्रतियोगिता के सभी विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

झज्जर। देशभक्ति पर आधारित चित्रों के साथ विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। ऑप्रेशन सिंदूर पर आधारित चित्र बनाते हुए विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता पर विद्यार्थियों ने बनाए चित्र

झज्जर। इंडो अमेरिकन स्कूल में वीरवार को एक विशेष आयोजन में विद्यार्थियों ने देशभक्ति की मिसाल पेश करते हुए ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता पर आधारित पेंटिंग्स का निर्माण किया। यह आयोजन न केवल कला के प्रति विद्यार्थियों के रुझान को दर्शाता है, बल्कि राष्ट्र के प्रति उनके भावनात्मक जुड़ाव और भारतीय सेना के प्रति सम्मान को भी दर्शाता है। प्रतियोगिता के दौरान जहां प्रतिभागी विद्यार्थियों ने कुछ पेंटिंग्स में भारतीय सेना के वीर जवानों को सलामी देते हुए दिखाया तो कुछ में आतंकवाद के खिलाफ उनकी वीरता और दृढ़ संकल्प को चित्रित किया गया। स्कूल निदेशक बिजेंद्र कादियान ने कहा कि बच्चों में देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करना हमारे विद्यालय की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है। इस प्रकार के रचनात्मक आयोजनों से न केवल विद्यार्थियों की कलात्मक क्षमता निखरती है, बल्कि वे राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्व को भी समझने लगते हैं। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा बनाए चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसकी अभिभावकों व शिक्षकों द्वारा सराहना की गई। सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को स्कूल प्रबंधन की ओर से पुरस्कृत किया गया।

मैं भी प्रहरी विषय पर पोस्टर व पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित

झज्जर। कैंब्रिज इंटरनेशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भदाना में वीरवार को मैं भी प्रहरी कार्यक्रम के जरिए पोस्टर व पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में तीसरी से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। प्रतिभागी विद्यार्थियों ने अलग-अलग पोस्टर व पेंटिंग में भारतीय सेना के शौर्य, ऑप्रेशन सिंदूर व फाइटर जेट व वीर जवानों के सुंदर चित्र बनाकर अपनी रचनात्मकता व जागरूकता का परिचय दिया। विद्यालय निदेशक धर्मेंद्र जून ने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं। हर बच्चे को इस प्रकार की गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भागीदारी करनी चाहिए।

झज्जर। पोस्टर एवं पेंटिंग प्रतियोगिता के प्रतिभागी विद्यार्थियों के साथ निदेशक धर्मेंद्र जून। फोटो :हरिभूमि

पहली से पांचवीं कक्षा के छात्रों का होगा मूल्यांकन

झज्जर। अपनी दक्षताओं को सुधारने में लगे विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा निपुण भारत मिशन के अंतर्गत प्रदेश के सभी प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा तत्परता कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों का मूल्यांकन आयोजित किया जा रहा है। यह मूल्यांकन 28 मई 2025 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। जिला निपुण संयोजक डॉक्टर सुदर्शन पुनिया ने बताया कि इसका प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों की उन दक्षताओं का आंकलन करना है जो कक्षा तत्परता कार्यक्रम के लिए निर्धारित की गई हैं। वर्तमान सत्र के प्रारम्भ से ग्रीष्मावकाश तक प्राथमिक कक्षाओं में कक्षा तत्परता कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसमें विद्यार्थियों को पिछली कक्षा की दक्षताओं को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अध्यापकों ने पहले ही सीआरपी स्किल पासबुक के माध्यम से दो बार विद्यार्थियों का मूल्यांकन किया है और इसकी रिपोर्ट गूगल फॉर्म के जरिए जिला स्तर पर प्रस्तुत की गई है। उन्होंने बताया कि मूल्यांकन प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए प्राथमिक शिक्षकों को कक्षावार मूल्यांकन प्रपत्र ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सभी स्कूलों को मूल्यांकन परिणाम गूगल फॉर्म लिंक में दर्ज करना भी अनिवार्य होगा।

उन्होंने बताया कि 23 से 26 मई तक कक्षा पहली और दूसरी के लिए हिंदी और गणित विषयों का मूल्यांकन तथा 27 व 28 मई को तीसरी, चौथी और पांचवीं के लिए हिंदी और गणित विषयों का मूल्यांकन किया जाएगा।

वालीबॉल मैच में नीलगिरी व हिमगिरी सदन बना विजेता

झज्जर। मैच के दौरान जीतने का प्रयास करते हुए खिलाड़ी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

ब्रिगेडियर रणसिंह पब्लिक स्कूल में अंतर अंतसर्दनीय वालीबॉल मैच का आयोजन किया गया। मैच में चारों सदनों के सीनियर वर्ग के लड़के और लड़कियों ने भाग लिया। मैच के परिणामों में लड़कों के सीनियर वर्ग में नीलगिरी सदन विजेता रहा और धौलगिरी सदन रनर अप रहा। लड़कियों के सीनियर वर्ग में हिमगिरी सदन विजेता तथा उदयगिरी सदन रनर उप रहा। विद्यालय के प्राचार्य ने विजेता टीमों को बधाई दी और रनर उप टीमों को प्रोत्साहित किया।

लघु नाटिका के माध्यम से बच्चों को किया जागरूक

- तकनीकी युग में छोटे-छोटे बच्चे भी मोबाइल की लत से हो चुके पीड़ित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

एलए स्कूल में मिस यूज मोबाइल फोन थीम को लेकर अध्यापकों द्वारा एक लघु नाटिका के माध्यम से एलकेजी व यूकेजी के विद्यार्थियों को जागरुक किया। प्राइमरी एचओडी सपना अहलावत के नेतृत्व में तैयार इस लघु नाटिका में स्टूडेंट का रोल प्राइमरी अध्यापिका मोना, मदर का रोल सविता व डॉक्टर का रोल सुशीला ने निभाया। स्कूल प्राचार्या निधि कादियान ने कहा कि आज के इस तकनीकी युग में छोटे-छोटे बच्चे भी मोबाइल की लत से पीड़ित हो चुके हैं। ऐसे में बच्चों को जागरुक करना आवश्यक है। इस दौरान स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनीता गुलिया, नीलम दहिया व स्कूल प्रबंधक केएम डागर ने अध्यापकों के इस प्रयास की प्रशंसा कर उन्हें सम्मानित किया। इस मौके पर एचओडी रविंद्र लोहचब, पिंकी अहलावत, पुष्पा यादव, डीपीई अमित लोहचब, संजीत सांगवान, भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। नन्हें विद्यार्थियों को मोबाइल की लत के प्रति जागरुक करते हुए शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। रैली के दौरान वाहनों पर सवार विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

होनहार छात्र रजत के सम्मान में निकाली रैली

झज्जर। एसकेजी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्र रजत द्वारा साइंस स्ट्रीम में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष्य में स्कूल प्रबंधन व क्षेत्रवासियों द्वारा विजय रैली का आयोजन किया गया। रैली में सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षकगण, अभिभावक लोगों ने भागीदारी करते हुए विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। एसकेजी शिक्षा समिति भाकली के प्रधान राय सिंह ने बताया कि यह उपलब्धि पूरे स्कूल और जिले के लिए गर्व की बात है। स्कूल संचालक श्याम सिंह व प्राचार्य पवन कुमार ने रैली को सफल बनाने के लिए सभी अध्यापकों का आभार जताया।

डीसी ने बैठक कर योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आगामी 21 जून को जिले भर में पूरे उत्साह व जोश के साथ मनाया जाएगा। इस संबंध में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सचिवालय में अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। जिसमें योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा की गई और विभिन्न विभागों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। डीसी ने कहा कि योग दिवस को जन-आंदोलन का रूप दिया जाएगा। योग दिवस का आयोजन जिला मुख्यालय के साथ-साथ सभी ब्लॉक स्तरों पर किया जाएगा।

सुबह योग सत्र, शाम को संगोष्ठी

डीसी ने बताया कि 21 जून को सुबह रोडवेज वर्कशॉप परिसर में जिला स्तरीय योग सत्र का आयोजन किया जाएगा। योग दिवस की पूर्व तैयारी के तहत 20 जून को सुबह 7 से 8 बजे तक फुल ड्रेस रिहर्सल की जाएगी, साथ ही एक योगा मैराथन भी आयोजित की जाएगी। इसमें स्कूल, कॉलेज, गुरुकुल, नेहरू युवा केंद्र, पुलिस बल, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट्स एंड गाइड्स समेत विभिन्न संस्थाएं भाग लेंगी। मैराथन रोडवेज वर्कशॉप से शुरु होगी व श्री राधा स्वामी सत्संग भवन तक जाएगी व फिर वापिस वर्कशॉप में संपन्न होगी।

झज्जर। बैठक के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल। फोटो :हरिभूमि

जरूरतमंद परिवार को पहुंचाई राहत

बहादुरगढ़। परनाला गांव में एक मजदूर परिवार की खराब हालत की सूचना मिलने पर सार्थक परिवार ने उनकी मदद को हाथ आगे बढ़ाए। एक मजदूर अपनी पत्नी व दो बच्चों को जैसे-तैसे पाल रहा था। गत साढ़े 5 साल से उनका 25 वर्षीय बेटा अचेत शरीर के साथ बिस्तर पर पड़ा है। करीब 8-9 महीने पहले परिवार को रोटी खिलाने वाला मजदूर भी चल बसा। आमदनी का जरिया खत्म हो गया।

छोटी बेटी अपनी पढ़ाई छोड़ मां और भाई की सेवा में जुट गई। लगी रहती है।पूरा परिवार खाने पीने तक के लिए दूसरों पर ही आधारित है। सार्थक परिवार ने साम्थर्य अनुसार उपचार का प्रयास किया। गरीब परिवार के जर्जर मकान की छत पक्की करवाई।

पांच माताओं ने किया कुआं पूजन

बहादुरगढ़। शंकर गार्डन में कुआं पूजन करती महिलाएं। फोटो :हरिभूमि

बहादुरगढ़। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लाइनपार के शंकर गार्डन स्थित शिव मंदिर में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत कुआं पूजन कार्यक्रम करवाया गया। इसमें 6 महीने तक की पांच बच्चियों की माताओं का कुआं पूजन करवाया गया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पार्षद ज्योति कर्मवीर शर्मा ने शिरकत की। उन्होंने बेटी के जन्म पर भी उत्सव मनाने व कन्या भ्रूण हत्या रोकने को लेकर जागरूक किया। डॉ प्रदीप ने सरकार की योजनाओं के बारे में बताया। एरिया सुपरवाइजर सुमित्रा ने लिंगभेद के विरुद्ध जागरूक किया।

छात्रों को किया नशे के प्रति जागरूक

झज्जर। नशा विषय पर बनाए पोस्टर दिखाते हुए विद्यार्थी एवं शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सेवा ट्रस्ट यूके इंडिया तथा इंडेप्थ विजन फाउंडेशन द्वारा एसएफएस वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एक सेमिनार का आयोजन कर विद्यार्थियों को नशे के प्रति जागरुक किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने नशा विषय पर पेंटिंग तथा स्लोगन भी बनाए। विद्यालय के प्रिंसिपल फादर एलन गोंसाल्वेस न बार एसोसिएशन सचिव एडवोकेट दीपक खत्री ने मुख्य रूप से शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। आईवीएफ संस्था से पूनम देशवाल ने विद्यार्थियों से कहा कि आपका भविष्य आपके हाथों में है। नशा आपके सपनों को तोड़ सकता है, जबकि स्वस्थ और नशामुक्त जीवन आपको ऊंचाइयों तक ले जा सकता है। इस मौके पर ब्रदर एम्ब्रोस, अंजू वत्स, राहुल दलाल, शेखर, अंजू दलाल सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

एसडीएम ने सुनीं समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं

बेरी। वीरवार को लघु सचिवालय परिसर में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतों पर चर्चा की गई। शिविर में एसडीएम रेणुका नांदल ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिविर में परिवार पहचान पत्र, बिजली निगम, राजस्व विभाग, पंचायती विभाग आदि से संबंधित शिकायत लेकर नागरिक पहुंचे। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए, ताकि आमजन को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें।

बेरी। समाधान शिविर में शिकायतें सुनते हुए एसडीएम रेणुका नांदल। फोटो :हरिभूमि

सिविल डिफेंस टीम से जुड़े 11 सौ नागरिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

वीरवार को राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय, राजकीय महाविद्यालय बादली व राजकीय महाविद्यालय मातनहेल में विशेष सिविल डिफेंस कैंप आयोजित किए गए। एसडीएम रविंद्र यादव ने बताया कि कैंप में पूर्व सैनिक, एनसीसी-एनएसएस कैडेट्स, रेडक्रॉस वॉलंटियर्स, सामाजिक कार्यकर्ता, महिला व पुरुष नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और सिविल डिफेंस टीम का हिस्सा बनने के लिए ऑनस्पॉट पंजीकरण करवाया। पंजीकृत वॉलंटियर्स को आपदा के समय राहत एवं बचाव कार्य, प्राथमिक चिकित्सा, जन-जागरूकता और ट्रैफिक प्रबंधन जैसी सेवाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अब तक करीब 1100 नागरिक ऑनलाइन माध्यम से भी सिविल डिफेंस टीम से जुड़ चुके हैं।

झज्जर। सिविल डिफेंस कैंप में पंजीकरण प्रक्रिया के बारे में युवाओं को बताते हुए अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

खबर संक्षेप

आपदा प्रबंधन को सशक्त बनाने के लिए कैंप 26 को

बेरी। आपदा प्रबंधन तैयारियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स के पंजीकरण को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत आगामी 26 मई को राजकीय महाविद्यालय दुजाना में विशेष सिविल डिफेंस कैंप का आयोजन किया जाएगा। एसडीएम रेणुका नांदल ने बताया कि सिविल डिफेंस टीम में पूर्व सैनिक, पूर्व पुलिस कर्मचारी, एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र से जुड़े युवा, रेडक्रॉस स्वयंसेवक, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, महिला एवं पुरुष सभी इच्छुक नागरिक भाग ले सकते हैं।

गर्मी की अधिकता से स्कूलों का समय बदला

झज्जर। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा गर्मी की अधिकता के कारण स्कूली समय में बदलाव किया गया है। डीसी के आदेशानुसार जिले के सभी राजकीय व अराजकीय विद्यालयों को सूचित किया गया है कि पहली कक्षा से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूल का समय प्रातः सात बजे से दोपहर बारह बजे तक रहेगा। विद्यालय स्टाफ का समय प्रातः सात बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक ही रहेगा। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी दिशा निर्देशों में कहा गया है कि सभी विद्यालयों में ओआरएस पैकेट रखें ताकि आवश्यकता पड़ने पर तुरंत बच्चों को राहत के लिए उपयोग किए जा सकें।

नौ जून तक कर सकते हैं आवेदन, आपत्तियों सहित विद्यार्थियों की सूची 11 जून को जारी की जाएगी

स्नातक कक्षाओं के दाखिलों का शेड्यूल जारी

आवेदन की रजिस्ट्रेशन फीस 100 रुपये है, यदि विद्यार्थी अपने ऑनलाइन फार्म में संशोधन 10 जून तक कर सकते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

उच्चतर शिक्षा विभाग ने विभिन्न कॉलेजों में बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए और बीसीए आदि स्नातक कक्षाओं के दाखिलों के लिए मेरिट लिस्ट जारी करने और फीस भरने का शेड्यूल जारी कर दिया है। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि विद्यार्थी नौ जून तक उच्चतर शिक्षा विभाग के एडमिशन पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की रजिस्ट्रेशन फीस 100 रुपये है। यदि विद्यार्थी अपने ऑनलाइन फार्म में कोई संशोधन करना चाहें तो 10 जून तक कर सकते हैं। आपत्तियों सहित विद्यार्थियों की सूची 11 जून को जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि दस्तावेजों की ऑनलाइन वेरिफिकेशन 15 जून तक होगी। यदि कोई ऑब्जेक्शन होगा तो एसएमएस से रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर सूचना मिल जाएगी। सभी योग्य विद्यार्थियों की पूरी सूची 16 जून को जारी की जाएगी।

19 जून को आएगी पहली फाइनल मेरिट लिस्ट : पहली प्रोविजनल मेरिट लिस्ट 18 जून को जारी होगी ताकि कोई आपत्ति हो तो उसे दूर कर दिया जाए। पहली फाइनल मेरिट लिस्ट 19 जून को आएगी। इस लिस्ट में जिन विद्यार्थियों का नाम आएगा, वे 20 जून से 23 जून तक फीस भर सकेंगे। दूसरी प्रोविजनल मेरिट लिस्ट 25 जून को जारी होगी, जबकि फाइनल लिस्ट 26 जून को आएगी। इस लिस्ट में जिन विद्यार्थियों का नाम आएगा, वे 27 जून से 29 जून तक फीस भर सकेंगे।

एक जुलाई से शुरू होगी ओपन काउंसलिंग: *पहली और दूसरी मेरिट लिस्ट के दाखिलों के बाद खाली रही सीटों को भरने के लिए ओपन काउंसलिंग एक जुलाई से शुरू होगी। नए आवेदनों के लिए एडमिशन पोर्टल दो जुलाई से दोबारा खुलेगा तथा तीन जुलाई से नौ जुलाई तक 100 रुपये लेट फीस के साथ दाखिले होंगे। इसके बाद 10 जुलाई से 15 जुलाई तक 100 रुपये लेट फीस के अलावा 100 रुपये प्रतिदिन अतिरिक्त फीस लगेगी।*

आवेदन से दाखिले तक की प्रक्रिया: *सबसे पहले विद्यार्थियों को उच्चतर शिक्षा विभाग के एडमिशन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करना होगा। अपना सही नाम, ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर भरें क्योंकि इनको बाद में नहीं बदला जा सकता। रजिस्ट्रेशन के बाद व्यक्तिगत विवरण, शिक्षा, वेटेज, दस्तावेज, कॉलेज और कोर्स भरे जायेंगे। इसके लिए अपने फोटो और सिग्नेचर की स्कैन कॉपी, दसवीं और बारहवीं कक्षा का सर्टिफिकेट, स्कूल से जारी मूल चरित्र प्रमाण पत्र, परिवार पहचान पत्र, आरक्षण का लाभ लेने के लिए उस केटेगरी के जरूरी प्रमाण पत्र अपने साथ तैयार रखें। हरियाणा के सभी विद्यार्थियों के लिए परिवार पहचान पत्र अनिवार्य है। बीए जैसे जिन*

पाठ्यक्रमों में एक से ज्यादा सब्जेक्ट कॉम्बिनेशन हैं, वहां कम से कम पांच कॉम्बिनेशन भरने जरूरी हैं।

पांच कॉलेज और प्रत्येक कॉलेज में पांच कोर्स *: यदि अभी बारहवीं का सर्टिफिकेट नहीं मिला है तो फॉर्म भरते समय ऑनलाइन रिजल्ट की कॉपी अपलोड कर सकते हैं। एक ही यूजर आईडी से अलग-अलग कॉलेजों के लिए आवेदन कर सकते हैं। कोई भी विद्यार्थी अधिकतम पांच कॉलेज और प्रत्येक कॉलेज में अधिकतम पांच कोर्स चुन सकता है। हरियाणा से बाहर के विद्यार्थी अखिल भारतीय कोटे के तहत आवेदन कर सकते हैं।*

मेरिट से होंगे दाखिले *: दाखिला मेरिट के आधार पर होगा और बारहवीं के बेस्ट फाइव सब्जेक्ट्स के अंक और निर्धारित वेटेज को जोड़कर आरक्षण नीति के आधार पर मेरिट बनाई जाएगी। वेटेज के लिए मुख्यतः बारहवीं कक्षा का एनएसएस मेरिट प्रमाण पत्र, एनसीसी का 'बी' प्रमाण पत्र, राष्ट्रपति द्वारा प्रदत्त भारत स्काउट एवं गाइड प्रमाण पत्र, एनसीईआरटी का राष्ट्रीय प्रतिभा पुरस्कार, राज्य या राष्ट्रीय खेल सर्टिफिकेट, ग्रामीण क्षेत्र से बारहवीं पास होना इत्यादि का लाभ दिया जाएगा। एक विद्यार्थी को अधिकतम दस अंकों की वेटेज मिल सकती है।*

ऑनलाइन जमा होगी फीस *: एडमिशन पोर्टल पर 'नो योर रिजल्ट' टैब से पता लग जाएगा कि दाखिला किस कॉलेज के किस कोर्स में हुआ है। जिन अभ्यर्थियों का नाम मेरिट लिस्ट में आएगा, वे फीस जमा कर सकते हैं। सरकारी कॉलेजों की फीस ऑनलाइन जमा होगी जबकि प्राइवेट कॉलेजों की फीस ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से जमा की जा सकती है। फीस भरने के बाद एडमिशन पोर्टल से रसीद डाउनलोड करें। दाखिला शुरू में अस्थाई होगा और कॉलेज में सभी दस्तावेजों की जांच की जाएगी। कोई कमी मिलने पर कॉलेज दाखिले को रद्द कर सकता है। यदि किसी विद्यार्थी को पहली मेरिट लिस्ट में अपनी पहली पसंद का कॉलेज नहीं मिलता है तो वह सीट छोड़ सकता है और दूसरी मेरिट लिस्ट में उसके आवेदन पर विचार किया जा सकता है। सीट छोड़ने के लिए ऑनलाइन ऑप्शन भरना होगा।*

नौ जून तक ऑनलाइन पोर्टल पर छात्र-छात्राएं पंजीकरण करा सकेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

क्षेत्र के कॉलेजों में सत्र 2025-26 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में एडमिशन प्रक्रिया तेज हो गई है। शहर के वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ राजवंती शर्मा ने बताया कि कॉलेज द्वारा छात्राओं को उच्चतर शिक्षा में प्रवेश पाने के लिए निशुल्क रजिस्ट्रेशन की सुविधा दी जा रही। बता दें कि उच्चतर शिक्षा विभाग ने एडमिशन को लेकर शेड्यूल जारी किया है। जिसके अनुसार 9 जून तक ऑनलाइन पोर्टल पर छात्र-छात्राएं पंजीकरण करा सकेंगे। वैश्य गर्ल्स कॉलेज में छात्राएं अभिभावकों संग आकर निशुल्क रजिस्ट्रेशन की सुविधा का लाभ उठा रही हैं। एडमिशन की नोडल ऑफिसर डॉ नेहा नैन ने बताया कि ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 9 जून है। इसके साथ ही दस्तावेज सत्यापन एवं आपत्तियों का समाधान भी 21 मई से 15 जून तक होगा। फिर 16 जून को योग्य छात्राओं की सूची जारी होगी। इसके आधार पर 18 जून को पहली प्रोविजनल मेरिट लिस्ट और 19 जून को फाइनल मेरिट लिस्ट जारी होगी। पहली मेरिट सूची अनुसार फीस 20 से 23 जून तक जमा होगी। दूसरी प्रोविजनल लिस्ट 25 जून व फाइनल लिस्ट 26 जून को आएगी। इसके

वैश्य कॉलेज में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाती छात्रा।

- उच्चतर शिक्षा विभाग ने एडमिशन को लेकर शेड्यूल जारी किया है। जिसके अनुसार 9 जून तक ऑनलाइन पोर्टल पर छात्र-छात्राएं पंजीकरण करा सकेंगे।
- वैश्य गर्ल्स कॉलेज में छात्राएं अभिभावकों संग आकर निशुल्क रजिस्ट्रेशन की सुविधा का लाभ उठा रही

तहत फीस 27 से 29 जून तक जमा होगी। इसके बाद भी रिक्त सीटों के लिए काउंसलिंग 1 जुलाई से होगी। जिसके लिए 2 जुलाई को पोर्टल दोबारा खुलेगा। इस दौरान 3 से 9 जुलाई तक 100 रुपए विलंब शुल्क के साथ काउंसलिंग होगी। प्रिंसिपल डॉ. राजवंती शर्मा ने बताया कि उच्चतर शिक्षा विभाग व महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार सत्र 2025-26 में भी एनईपी के अनुसार ही स्नातक कक्षाओं में छात्राएं दाखिला पा सकेंगी।

विद्यार्थियों ने 18-चित्रों के माध्यम से दर्शाया देश प्रेम

झज्जर। बनाए गए चित्र दिखाते हुए विद्यार्थी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

संस्कारम पब्लिक स्कूल खातीवास में वीरवार को आतंक के खिलाफ एकजुटता का संदेश देते हुए राष्ट्र को समर्पित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने ऑप्रेशन सिंदूर की थीम पर आधारित पेंटिंग प्रतियोगिता में कागज पर अपनी कल्पनाओं को रंगों के माध्यम से उतारकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यार्थियों ने इस दौरान पहलगाम के शहीदों को सलाम करता हुआ सिपाही, चारों धर्मों को एक दृष्टि से देखता भारत, आजाद भारत, मेरा भारत महान और तिरंगा फहराती भारत माता आदि के चित्र बनाएं। संस्कारम् ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई तस्वीरों की सराहना की। उन्होंने कहा कि देशभक्ति चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन न केवल विद्यार्थियों को देशभक्ति की भावना से परिचित कराता है, बल्कि उनकी रचनात्मकता को भी उजागर करता है।

लुक्सर स्कूल में टॉपर्स हुए सम्मानित

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में सम्मानित हुए विद्यार्थियों के साथ अतिथि।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव लुक्सर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 10वीं और 12वीं की परीक्षा के टॉपर छात्र-छात्राओं के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी शेर सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में टॉपर स्टूडेंट्स को प्रोत्साहित किया। मंच संचालन शिक्षिका उपदेश ने किया।

प्राचार्या कांता देवी और पूर्व प्राचार्या संगीता रानी ने दसवीं की परीक्षा में प्रथम रही दिव्या, द्वितीय रहे शिवम और तृतीय रही खुशी को नोटों की माला और अंग्रेजी-हिंदी शब्दकोश भेंटकर सम्मानित किया। बारहवीं कक्षा में प्रथम रही रूबी, द्वितीय रही अंजलि और तृतीय रही वर्षा को खंड शिक्षा अधिकारी शेर सिंह, पूर्व प्राचार्य रमेश छिल्लर व डॉ राजीव कटारिया ने सम्मानित किया। वहीं 12वीं कक्षा में संस्कृत विषय में 100 अंक प्राप्त करने वाली अंजलि और वर्षा को सरपंच कौशल्या देवी ने सम्मानित किया। अन्य टॉपर स्टूडेंट्स को सम्मानित किया गया। प्रिंसिपल मूर्ति देवी भी इस मौके पर विशेष रूप से मौजूद रही।

नेशनल गेम्स में खिलाड़ियों ने जीते 18 मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

दिल्ली में हुए नेशनल गेम्स की ताइक्वांडो स्पर्धा में जिले के खिलाड़ी छाए रहे। शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां के खिलाड़ियों ने छह गोल्ड सहित कुल 18 मेडल जीते। इनकी जीत पर परिजनों और खेल प्रेमियों ने खुशी जताई है।

दरअसल, 19 से 22 मई तक दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में नेशनल गेम्स का आयोजन हुआ। देशभर के खिलाड़ियों ने इसमें भाग लिया। ताइक्वांडों खेल में हरियाणा की एनआईएस कोच विशाल चतुर्भुज ने टीम की अगुवाई की। हरियाणा की टीम में फिट हरियाणा एनजीओ के 21 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। कोच विशाल ने बताया कि बहादुरगढ़, झज्जर के 18 खिलाड़ियों ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए ताइक्वांडो राष्ट्रीय खेलों में छह गोल्ड, पांच सिलवर और सात ब्रांज मेडल जीते हैं। निधि ने अंडर 35 केजी, तनिषा 59 केजी, विधि 24 केजी, सान्वी 16 केजी, तनुज 27 केजी व नक्ष ने अंडर 18 केजी में गोल्ड मेडल जीते। सिलवर मेडल जीतने वालों में तनिषा, युगल, राधिका, गरिमा, प्रियांशी, आदि शामिल थे। जबकि अविशा अहलावत, सान्या, तानिया, गुंजन, मुस्कान, कशिश, रुपेश ने ब्रांज मेडल जीते हैं। बहादुरगढ़ पहुंचने पर दिनेश मान, सुरेंद्र गुलिया आदि ने विजेता बच्चों को पुरस्कृत कर उनका अभिनंदन किया। कोच विशाल ने बताया कि एनजीओ की ओर से एचएल सिटी के रनिंग ट्रैक पर पिछले आठ साल से निशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

बहादुरगढ़। कोच के साथ विजेता ताइक्वांडो खिलाड़ी।

गांव मदाना खुर्द में प्रशासन का रात्रि ठहराव आज

बेरी। एसडीएम रेणुका नांदल ने बताया कि शुक्रवार को क्षेत्र के गांव मदाना खुर्द में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल की अध्यक्षता में प्रशासन का रात्रि ठहराव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। राजकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय में आयोजित होने वाले इस रात्रि ठहराव कार्यक्रम में डीसी ग्रामीणों से सीधा संवाद करेंगे, उनकी समस्याओं को सुनते हुए मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बताया कि इस दौरान ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए विभागीय स्टॉल भी लगाए जाएंगे, साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन होगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

पुलिस ने कुछ घंटों में ढूंढकर लौटाया लेपटॉप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। डॉ. भव्यदीप को लेपटॉप, बैग सौंपती पुलिस टीम।

सेक्टर-16 चौकी क्षेत्र में हुई लेपटॉप चोरी की घटना पुलिस ने कुछ ही घंटों में सुलझा ली। पुलिस ने करीब ढाई लाख रुपये की कीमत के लेपटॉप को तलाश कर व्यक्ति के हवाले कर दिया। अपना बैग और लेपटॉप सुरक्षित वापस मिलने पर व्यक्ति ने भी पुलिस का आभार जताया है।

यह घटना डॉ. भव्यदीप भाटिया के साथ हुई थी। दरअसल, भव्यदीप यहां ओमेक्स में रहते हैं। बुधवार की रात को अपने कुछ जानकारों के साथ वह सेक्टर-16 चौकी एरिया में थे। इस दौरान एक दुकान पर उनका बैग रह गया। बैग में करीब ढाई लाख रुपये की कीमत का लेपटॉप सहित अन्य जरूरी दस्तावेज थे। सुबह उन्होंने बैग की तलाश की। उस दुकान पर भी गए जहां बैग छूटने की आशंका थी। लेकिन दुकान संचालक ने अपने पास बैग होने से इंकार कर दिया। इसके बाद डॉ. भव्यदीप सेक्टर-16 चौकी में गए और वहां चौकी प्रभारी राजेंद्र कुमार को मामले से अवगत कराया। मामले को गंभीरता से लेते हुए एएसआई राजेंद्र सिंह, एएसआई रवि टीम सहित दुकान पर पहुंचे और सख्ताई से पूछताछ की। फिर कैमरे खंगाले तो सच्चाई सामने आ गई।

दुकान संचालक को फटकार लगाई तो उसने छिपाया हुआ लेपटॉप बैग सहित पुलिस टीम को सौंप दिया। पुलिस ने वह बैग डॉ. भव्यदीप को लौटा दिया। बैग वापस पाकर डॉ. भव्यदीप ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि लेपटॉप में मेरा बेहद जरूरी डेटा था। पुलिस ने कुछ ही घंटों में तत्परता दिखाते हुए लेपटॉप ढूंढकर उन्हें दे दिया। इसके लिए वह सेक्टर-6 थाना प्रभारी पवनवीर सिंह, सेक्टर-16 चौकी प्रभारी राजेंद्र सिंह सहित पूरी पुलिस टीम का धन्यवाद करते हैं। चौकी प्रभारी राजेंद्र सिंह ने कहा कि पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री के मार्गदर्शन में जिले की पुलिस पूरी ईमानदारी से काम कर रही है।

बुपनिया में नशे को लेकर किया गया जागरुक

बहादुरगढ़। विद्यार्थियों के साथ नशे के विरुद्ध संदेश देते अतिथि।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

वीरवार को गांव बुपनिया स्थित यंग जीनियस पब्लिक स्कूल में सेमिनार का आयोजन किया गया। बच्चों ने नशा नहीं करने के पोस्टर बनाकर, स्लोगन लिखकर तथा नाटक के माध्यम से नशीली दवाओं के दुष्परिणामों का संदेश दिया। प्राचार्या रितु मलिक की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में दसवीं कक्षा की छात्रा वंशिका ने प्रथम स्थान, रवीना ने द्वितीय तथा मेघा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सामाजिक कार्यकर्ता सत्येंद्र दहिया ने बताया कि नशा पूरे परिवार को बर्बाद कर देता है। नशे के कारण ही अधिकांश अपराध हो रहे हैं। युवा धीरे-धीरे नशे के आदि हो रहे हैं। सड़क सुरक्षा सेल के इंचार्ज इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने भी बच्चों को नशे के दुष्प्रभाव से अवगत करवाया।

एसडीएम ने शिविर लगाकर सुनी समस्याएं

बहादुरगढ़। वीरवार को लघु सचिवालय में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता करते हुए एसडीएम नसीब कुमार ने नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शिविर के दौरान आए लोगों ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन, बिजली-बिल सुधार, जल आपूर्ति, परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड और नगर परिषद से जुड़ी शिकायतें रखी। एसडीएम नसीब कुमार ने अधिकारियों से कहा कि इन शिकायतों का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर करें और कोई भी शिकायत लंबित न रहे। समाधान शिविर सरकार की पारदर्शी प्रशासन व्यवस्था का उदाहरण है।

नागरिक अस्पताल में इन दिनों लगभग 20 % आंखों के मरीज बढ़े

गर्मी और धूल से बढ़ रहे आंखों के मरीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

लगातार बढ़ी रही गर्मी तथा धूल भरी आंधी से लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। तेज धूप और धूल के चलते आंखों में एलर्जी के केस बढ़ रहे हैं। शहर के तमाम अस्पतालों में आंखों के रोगियों की संख्या बढ़ी है।

अकेले नागरिक अस्पताल परिसर में ही इन दिनों लगभग 20 फीसद आंखों के मरीजों में वृद्धि हुई है। फिलहाल यहां रोजाना नेत्र जांच के लिए करीब 200 ओपीडी कार्ड बन रहे हैं। इनमें ज्यादातर केस आंख लाल होने, जलन तथा आंखों में पानी आने के हैं। बुजुर्गों और

बहादुरगढ़। नेत्र जांच करती डॉक्टर माल्विका बंसल।

बच्चों को अधिक परेशानी हो रही है। बढ़ते केसों को देखते हुए नेत्र रोग विशेषज्ञों ने लोगों का इस मौसम में अपनी आंखों का विशेष ख्याल रखने की सलाह दी है। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. माल्विका बंसल ने कहा कि गर्मी में आंखों में एलर्जी के केस सामने आते हैं। इस मौसम में धूल भरी आंधी चलने से दिक्कतें और बढ़ती हैं। ऐसे में लोगों को अपनी आंखों का विशेष ख्याल रखना चाहिए। चूंकि इन दिनों तापमान काफी अधिक है तो दोपहर के वक्त कम से कम बाहर निकलें। अगर बाहर जाएं तो घर आकर ठंडे पानी से आंखों की सिकाई करें। बुजुर्गों और बच्चों को आउटडोर एक्टिविटी से बचाएं। बाहर निकलते वक्त धूप के चश्में का इस्तेमाल करें और सिर पर कपड़ा या टोपी जरूरी रखें। फिर भी आंखों की जलन खत्म न हो और लालीपन छाए रहे तो डॉक्टर से परामर्श लें। छोटे बच्चों को अधिक परेशानी होती है, इसलिए उनका विशेषकर ख्याल रखें।